पाठ 5

मध्यप्रदेश का वैभव

आइए सीखें - ■मध्यप्रदेश के प्राकृतिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचय। ■मध्यप्रदेश के दर्शनीय स्थलों की जानकारी। ■प्रदेश की महान विभूतियों के योगदान के बारे में जानना। ■क्रिया के भेद समझना।

भारत की हृदय-स्थली है मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश का कला, साहित्य, पुरातत्व एवं संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है।

नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है। पुराणों में इसे मोक्षदायिनी कहा गया है। अमरकंटक से चलकर पश्चिम की ओर बहती हुई खम्भात की खाड़ी (गुजरात) में मिलती है। भेड़ाघाट पर नर्मदा का जल-प्रपात संगमरमर की चट्टानों के बीच 'धुआँधार' के रूप में विख्यात है। इसके तट पर बसे नगर महेश्वर और ओंकारेश्वर तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध हैं। अन्य प्रमुख नदियों में सोन, केन, चम्बल, बेतवा और ताप्ती भी अपने तटवासियों को स्नेह बाँटती चलती है।

राजाभोज की नगरी भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। इसे झीलों की नगरी के रूप में भी जाना जाता हैं। भारत-भवन, मानव संग्रहालय, बिड़ला मंदिर, ताज-उल-मसाजिद और राष्ट्रीय वन उद्यान 'वन-विहार' भी यहाँ के दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ से 45 (पैंतालीस) किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित 'भीम बैठका' विश्व प्रसिद्ध शैलाश्रयों के लिए जाना जाता है। यहाँ की गुफाएँ मध्य पाषाणकालीन मानव इतिहास का वैभव संजोए हैं। सम्राट अशोक से सम्बन्धित विदिशा भी ऐतिहासिक महत्व रखने वाली नगरी है। इसी क्षेत्र में उदयगिरि की गुफाएँ तथा ग्यारसपुर में मालादेवी का मन्दिर दर्शनीय है। भोपाल से विदिशा के मध्य साँची की हरित पहाड़ियाँ हैं जो बौद्ध स्तूपों की महानता का गुणगान करती हैं। बौद्ध धर्म का यह पवित्र स्थान विश्व में अपना ऐतिहासिक महत्व रखता है। यहाँ के स्तूप बौद्ध धर्म के महान् स्मारक हैं। स्तूपों के तोरण द्वारों पर कलात्मक नक्काशी तो देखते ही बनती है। साँची से ही 25 (पच्चीस) किलोमीटर दूर एक

शिक्षण संकेत - ■मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की चर्चा करते समय मध्यप्रदेश के मानचित्र में उसकी स्थिति दिखाइए और चर्चा कीजिए। ■बच्चों से मध्यप्रदेश के देखे गए स्थलों की चर्चा कीजिए ।

ऊँची पहाड़ी पर रायसेन का भव्य किला स्थित है। मुगलकालीन विख्यात अकबर के नवरत्नों में से एक 'अबुल फजल' ने रायसेन की भव्यता का उल्लेख किया है।

ग्वालियर अपने प्राचीन किले के लिए तो प्रसिद्ध है ही साथ ही यह स्थान महान संगीतज्ञ तानसेन एवं बैजू बावरा की संगीत प्रतिस्पर्धा के लिए भी जाना जाता है। यहाँ पर तानसेन और वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के समाधि स्थल भी हैं। यहाँ के मानसिंह तोमर द्वारा निर्मित गूजरी महल में स्थित शालभंजिका की प्रतिमा विश्व भर में प्रसिद्ध है।

अशोकनगर जिले में स्थित चन्देरी नगर साड़ियों के अलावा ऊँचे किले, खूनी दरवाजा, चन्दन उद्यान, तालाबों और बावड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। संगीत प्रेमी बैजू-बावरा की समाधि चन्देरी में ही है। दतिया का पीताम्बरा-पीठ और शिवपुरी का माधव राष्ट्रीय वन उद्यान भी इस क्षेत्र में आकर्षण के केन्द्र हैं। सात पर्वत श्रृंखलाओं से बने सतपुड़ा पर्वतमाला का पर्यटन स्थल है - पचमढ़ी। यहाँ धूपगढ़, चौरागढ़, महादेव मन्दिर एवं सूर्योदय-सूर्यास्त के अनुपम दृश्य दर्शनीय हैं। यहाँ पर स्थित पाँच गुफाएँ पौराणिक महत्व रखती हैं। प्राकृतिक छटा के लिए रीवा जिले में स्थित चचाई जल-प्रपात भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। पवित्र मन्दाकिनी तट पर निसर्ग की सुषमामयी भूमि है - चित्रकूट। पौराणिक महत्व का यह स्थल भरत-मिलाप के लिए श्रद्धा का स्थल है। कामदगिरि, हनुमानधारा, गुप्तगोदावरी और प्राचीनतम स्थापत्य कला के लिए भरहुत भी प्रसिद्ध है। प्रख्यात संगीतकार अलाउद्दीन खाँ की आराध्य - देवी माँ शारदा का मन्दिर यहाँ से निकट ही मैहर जिला सतना में स्थित है।

विक्रम संवत् को प्रारम्भ करने वाले प्रख्यात सम्राट चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य अवन्तिका के राजा थे। जिसे अब हम उज्जैन के नाम से जानते हैं। वे अपनी न्यायप्रियता, बुद्धिमत्ता, विवेकपूर्ण निर्णय और प्रजापालन आदि के लिए इतिहास में अमर है।

कालिदास, वराहमिहिर, बाणभट्ट, चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्नों में से थे। उज्जैन का प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। श्री कृष्ण की शिक्षा से जुड़े होने के कारण यहाँ के सांदीपनी आश्रम का पौराणिक महत्व है। प्रत्येक बारह वर्ष बाद उज्जैन में कुम्भ-मेला आयोजित होता है। इसे सिंहस्थ पर्व भी कहते हैं।

शिक्षण संकेत - ■प्रसंग में आए महापुरुषों के बारे में बच्चों को समझाइए। ■आपके आसपास के महत्वपूर्ण स्थलों तथा व्यक्तियों का परिचय स्थानीय क्षेत्र के वैभव के रूप में बताइए।

''शबे-मालवा, सुबह बनारस की'' यह उक्ति चरितार्थ करती है, मालवा की धार नगरी। जो अपने में ऐतिहासिक पुरा वैभव की गाथा को समेटे है। यहाँ बाघ की गुफाएँ तथा माँडू के नाम से प्रसिद्ध माण्डवगढ़के प्राकृतिक

सुषमा से घिरे भग्नावशेष आज भी आकर्षण पैदा करते हैं। ये मालवा के अन्तिम राजा बाज बहादुर और रानी रूपमती की कथा कहते हैं। निमाड़ के बड़वानी क्षेत्र में तीर्थ स्थल 'बावनगजा' में 'आदिनाथ' जी की प्रतिमा स्थित है। लोकमाता अहिल्याबाई का राज महल 'राजबाड़ा' इन्दौर में स्थित है। यहाँ का काँच-मंदिर भी दर्शनीय है। आदिवासी सभ्यता और संस्कृति का केन्द्र झाबुआ भी यहीं स्थित है। झाबुआ के भाभरा ग्राम में भारत के क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद का जन्म हुआ था। यहाँ का 'भगोरिया' मेला प्रसिद्ध है।

यहाँ लोक आस्थाओं और विश्वासों में ईसुरी की फागें जीवन्त हैं। ये बुन्देली के सुप्रसिद्ध लोक कवि हैं। यहाँ के लोकनृत्य राई, सेरौ, बधावा तो अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर धूम मचा चुके हैं। आल्हा यहाँ का शौर्य-गीत है।

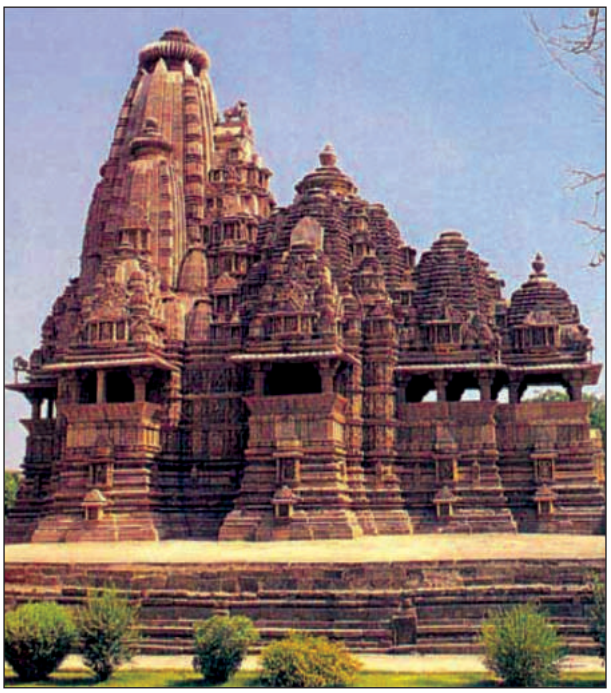

बुंदेलखण्ड की शान कहे जाने वाले महाराज छत्रसाल द्वारा 'छतरपुर' नगरी बसाई गई है। महाकवि भूषण ने छत्रसाल की प्रशंसा में काव्य-रचना की है। प्रसिद्ध रीतिकालीन कवि पदमाकर, व्याकरणाचार्य पं.कामता प्रसाद गुरु तथा सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ.सर हरिसिंह गौर इसी बुन्देलखण्ड के गौरव हैं। पन्ना हीरा खानों तथा अनुपम वन सम्पदा के लिए विश्व में प्रसिद्ध है। विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के मन्दिर स्थापत्य कला के अनुपम उदाहरण हैं चन्देल शासकों के कला, गौरव की कथा कहते ये मन्दिर मूर्ति कला की दृष्टि से अद्भुत हैं। बेतवा के तट पर बसा 'ओरछा' बुन्देला राजपूतों की राजधानी रही है। हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि केशव की प्रसिद्ध कृति 'रामचंद्रिका' का सृजन यहीं हुआ था। कवि बिहारी का सम्बन्ध भी ओरछा से है। यहाँ पर 'राम-राजा' का मन्दिर अनुपम एवं दर्शनीय है।

भारत के राष्ट्रीय वन उद्यानों में सबसे अधिक वन उद्यान मध्यप्रदेश में है जिनकी संख्या नौ है। इनमें मंडला और बालाघाट जिले में स्थिल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध और पुराना राष्ट्रीय उद्यान है। इसके अतिरिक्त बांधवगढ़ (उमरिया जिले में), माधव राष्ट्रीय उद्यान (शिवपुरी जिले में), सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान (होशंगाबाद जिले में), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (पन्ना जिले में), पेंच राष्ट्रीय उद्यान (सिवनी जिले में), वन बिहार (भोपाल में) और जीवश्म राष्ट्रीय उद्यान (मंडला जिले में) स्थित हैं। इन राष्ट्रीय उद्यानों में मुख्यतः बाघ, बारह सिंगा, चीतल, सांभर, कृष्णमृग, तेंदुआ, नीलगाय, भालू, गौर, चौसिंगा चिंकारा, जंगली सुअर, भेड़िया, सोन कुत्ता आदि छोटे–बड़े पशु एवं सोखपर, फाख्ता, मोर, कबूतर, तीतर–बटेर, चील, गरूड़, बगुला, सारस, वनमुर्गी, धनेश, किलकिला, मैना आदि पक्षी पाए जाते हैं। जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान में वनस्पति जीवाश्मों को संरक्षित किया गया है। छात्र–छात्राओं में वनों, वन्य प्राणियों, जीव–जन्तुओं और पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ने हेतु म.प्र. स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रति वर्ष मोगली उत्सव मनाया जाता है। इसका राज्य स्तर का प्रथम कार्यक्रम पेंच राष्ट्रीय उद्यान में किया गया था। भीम बैठका जैसी अनेक गुफाओं में आदिमानव द्वारा हजारों वर्ष पहले बनाए गए कन्दराओं, दीवारों पर आकर्षक चित्र उनकी इच्छा शक्ति और जिजीविषा के प्रतीक हैं। प्रदेश में हिन्दी जहाँ शीश पर मुकुट के रूप में शोभायमान है, वहीं बुन्देली, मालवी, भीली, बघेली, निमाड़ी बोलियां इस मुकुट में जड़े कीमती मोती हैं। अन्य भाषाएँ भी इसका शृंगार करती हैं।

प्रदेश में गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा, विजयादशमी और दीपावली के साथ-साथ सद्भाव और भाईचारे के प्रतीक पर्व होली, ईद, क्रिसमस उत्साह से मनाए जाते हैं। मानवीय मूल्यों को समाज में स्थापित करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान अपनी खुशियों को प्रदर्शित करने और उन खुशियों में सम्मिलित होंने का निमन्त्रण देते लोक नृत्य, बधावा, ढिमरयाई पैरों को थिरकने के लिए विवश कर देते हैं। समाज में सामुदायिकता, सहयोग के संदेश के लिए ढोलामारू, माच और स्वांग लोक नाट्य प्रसिद्ध हैं। विभिन्न भाव बिखेरते फाग, कजरी, दिवारी, दादरा, भजन, ठुमरी, लोकगीत लोक भावनाओं की सुरीली अभिव्यक्ति हैं।

सांस्कृतिक, ऐतिहासिक दृष्टि से सम्पन्न हमारा मध्यप्रदेश लघु भारत ही है। मध्यप्रदेश के वैभव की मिठास यहाँ के निवासियों के हृदय में रची-बसी है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -

दर्शनीय	-	मनोरम	-
वैभव	-	पाषाण	-
मनोहारी	-	सैलानी	-
पुरा वैभव	-	नैसर्गिक	-
प्रतीक	-	प्रस्तर	-
सृजन	-	मोक्षदायिनी	-

अलंकृत	-	भव्यता	-
प्रतिस्पर्धा	-	निसर्ग	-
शैलाश्रय	-	नक्काशी	-
समाधि	-	उक्ति	-
जिजीविषा	-	शालभंजिका	-

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) नर्मदा नदी को मध्यप्रदेश की जीवन रेखा क्यों कहा गया है?

(ख) पचमढ़ी में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल हैं?

(ग) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य इतिहास में क्यों अमर हैं?

(घ) अवन्तिका का वर्तमान नाम क्या है तथा यह क्यों प्रसिद्ध है?

(ड) मध्यप्रदेश के मुख्य लोकनृत्य, लोकनाट्य कौन-कौन से हैं?

(च) मध्यप्रदेश की मुख्य बोलियाँ कौन-कौन सी हैं?

(छ) मध्यप्रदेश को लघु भारत क्यों कहा गया है?

2. खाली स्थान भरिए -

(क) मैहर में.....का मंदिर है।

(ख) कवि केशव की प्रसिद्ध कृति.....है।

(ग) झाबुआ का भाभरा ग्राम.....की जन्म स्थली है।

(घ) प्राचीनतम स्तूपों के लिए.....विख्यात है।

(ड) रीवा में स्थित.....जल प्रपात दर्शनीय है।

3. निम्नलिखित विकल्प वाले प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए -

(क) इंदौर शहर के राजवाड़ा में राजभवन है।

(1) लोकमाता अहिल्या बाई का (2) लक्ष्मी बाई का

(3) सुभद्रा कुमारी का (4) दुर्गावती का

(ख) बुंदेली के पितृपुरुष हैं।

(1) डॉ. सर हरिसिंह गौर (2) ईसुरी

(3) भूषण (4) पद्माकर

(ग) भारत-भवन स्थित है।

(1) इन्दौर में (2) जबलपुर में

(3) दिल्ली में (4) भोपाल में

(घ) दतिया प्रसिद्ध है।

(1) शारदा देवी मंदिर के लिए (2) पीताम्बरा पीठ के लिए

(3) बाबनगज प्रतिमा के लिए (4) शालभंजिका के लिए

4. निम्नलिखित दर्शनीय स्थलों और नगरों की सही जोड़ी बनाइए -

(क)	कामदगिरि	-	विदिशा
(ख)	उदयगिरि	-	माँडवगढ़
(ग)	माण्डू	-	साँची
(घ)	हीरों की खान	-	चित्रकूट
(ड)	बौद्ध-स्तूप	-	पन्ना

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के दो अर्थ लिखिए -

उदाहरण -	अर्थ	धन	आशय
(क)	पानी	.....	.....
(ख)	अंक	.....	.....
(ग)	अमृत	.....	.....
(घ)	अम्बर	.....	.....
(ड़)	कनक	.....	.....
(च)	कर	.....	.....

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

तोरण-द्वार, पाषाण-कालीन, हृदय-स्थली, जीवन-रेखा, भरत-मिलाप, प्रस्तर-प्रतिमा

3. शब्दों के अन्त में 'ता', 'तम' तथा 'कार' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए।

4. निम्नलिखित वाक्यों में शब्दों को सही क्रम में लिखिए -

(क) शान है अहिल्याबाई मालवा की।

.....

(ख) भारत की हृदय स्थली है मध्यप्रदेश।

.....

(ग) पवित्र नदियों क्षिप्रा में से मध्यप्रदेश की एक है।

.....

(घ) उदाहरण हैं खजुराहो के मंदिर स्थापत्य कला के।

.....

ध्यान दीजिए -

'क' स्तम्भ	'ख' स्तम्भ
1. भारत में अनेक दर्शनीय स्थान है।	1. अनेक पर्यटक दर्शनीय स्थलों को देखने आते हैं।
2. भोपाल झीलों की नगरी है।	2. भोपाल को झीलों की नगरी के नाम से जाना जाता हैं।
3. म.प्र. में अनेक खनिज हैं।	3. म.प्र. में अनेक खनिज पाए जाते हैं।

अब जानिए

जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पता चले, उसे क्रिया कहते हैं।

उपरोक्त 'क' स्तम्भ में 'है' शब्द क्रिया है, जबकि 'ख' स्तम्भ में देखने आते हैं, पाए जाते हैं संयुक्त क्रियाएँ हैं।

स्तम्भ 'ख' में एक से अधिक क्रियाएँ आई हैं। जब वाक्य में क्रियापद के भीतर एक से अधिक क्रियाएँ आ जाएँ, तब उसे **संयुक्त क्रिया** कहते हैं।

स्तम्भ 'क' में - मुख्य है क्रिया है।

5. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त क्रियाएँ छाँटकर लिखिए -

(क) कवि बिहारी का सम्बन्ध भी ओरछा से जुड़ा हुआ है।

(ख) भोपाल झीलों की नगरी के रूप में जाना जाता है।

(ग) भीम-बैठका की गुफाएँ मध्य पाषाण कालीन मानव इतिहास का वैभव संजोए हैं।

(घ) किले अपनी भव्यता की कथा कहते रहते हैं।

(घ) माण्डू के भग्नावशेष राजा बाजबहादुर और रानी रूपमती की कथा कहते प्रतीत होते हैं।

योग्यता विस्तार

1. मध्यप्रदेश के दर्शनीय स्थलों को निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए -

   (क) प्राकृतिक सौन्दर्य वाले

   (ख) ऐतिहासिक महत्व वाले

   (ग) पौराणिक महत्व वाले

2. मध्यप्रदेश के विभिन्न महापुरुषों के चित्र एकत्रित कर कापी में चिपका कर सजाइए।

3. आपके द्वारा मध्यप्रदेश के जिन स्थानों का भ्रमण किया गया हो, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. पाठ के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के अन्य महान व्यक्तियों के बारे में शिक्षक एवं पुस्तकालय की सहायता से जानकारी संकलित कीजिए।

जिनके पास विद्या रूपी नेत्र नहीं वह अंधे के समान हैं।